लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4497

19 जुलाई, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

रेशम का आयात

4497. श्री अरूण सावः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान कितना रेशम आयात किया गया है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान रेशम पर लगाए गए सीमा-शुल्क का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश में उत्पादन किए जा रहे रेशम की गुणवत्ता में सुधार हेतु उपाय किए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) : पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष 2019-20 (मई-19 तक) के दौरान आयातित कच्चे रेशम की मात्रा नीचे दी गयी है :

वर्ष	**कच्चे रेशम का आयात (मीट्रिक टन)**
2016-17	3795
2017-18	3712
2018-19	2785
2019-20 **(मई -19 तक)**	521

ख): वर्तमान में कच्चे रेशम और रेशमी कपड़े पर क्रमशः 10% और 20% का मूल सीमा शुल्क लगाया जाता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान कच्चे रेशम और रेशमी वस्त्रों के आयात पर लगाया गया सीमा शुल्क निम्नलिखित हैं:

आयात की वस्तु	**वर्ष**	**मूल सीमा शुल्क**
शहतूत कच्चा रेशम	2016-17	10%
	2017-18	10%
	2018-19	10%
रेशमी कपड़े	2016-17	10%
	2017-18	10%
	2018-19	20%

ग) और घ): वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक सांविधिक निकाय, केंद्रीय रेशम बोर्ड, देश में रेशम उत्पादन के विकास के लिए एक पुनर्गठित केंद्रीय क्षेत्र योजना "सिल्क समग्र" का कार्यान्वयन कर रहा है, जो मुख्य रूप से घरेलू रेशम की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार पर केंद्रित है, जिससे देश की आयातित रेशम पर निर्भरता में कमी आई है। केंद्रीय रेशम बोर्ड ने देश में उत्पादित रेशम की गुणवत्ता में सुधार के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैं :

i. बाइवोल्टाइन रेशम का उत्पादन : बाइवोल्टाइन रेशम एक उच्च गुणवत्ता वाला शहतूत रेशम है जो भारत में रेशम के आयात विकल्प के रूप में उत्पादित किया जाता है। अनुसंधान एवं विकास को देश में उच्च गुणवत्ता वाले बाइवोल्टाइन रेशम के उत्पादन के लिए उत्पादक बाइवोल्टाइन संकर पैकेज विकसित करने पर केंद्रित किया गया है।

ii. कोकून उत्पादन और उत्पादकता के स्तर में सुधार करने और बेहतर शहतूत/होस्ट प्लांट की किस्मों, रेशमकीट संकरों और प्रौद्योगिकी पैकेजों को विकसित करने के लिए अनुसंधान विकास प्रणाली को मजबूत करना।

iii. बाइवोल्टाइन रेशम कीट बीज का उत्पादन, भंडारण और आपूर्ति करने के लिए शीतागार सुविधाओं और बाइवोल्टाइन भंडारण को मजबूत किया गया है।

iv. बाइवोल्टाइन कोकून से 3ए-4ए ग्रेड वाले कच्चे रेशम के उत्पादन के लिए देश में स्वचालित रीलिंग मशीनें एआरएम/इकाइयां स्थापित की गई हैं।

v. किसानों को स्वस्थ और गुणवत्ता वाले नए रेशम कीड़े की आपूर्ति के लिए चौकी रीयरिंग सेंटर (सीआरसी) को लोकप्रिय बनाया जा रहा है।

vi. पूर्वोत्तर क्षेत्र वस्त्र संवर्धन योजना (एनईआरटीपीएस): इस योजना के तहत सभी पूर्वोत्तर राज्यों में अभिज्ञात संभावित जिलों में तीन व्यापक श्रेणियों जैसे एकीकृत रेशम उत्पादन विकास परियोजना (आईएसडीपी) और गहन बाइवोल्टाइन रेशम उत्पादन विकास परियोजना (आईबीएसडीपी) और महत्वाकांक्षी जिलों के तहत 38 रेशम उत्पादन परियोजनाओं को लागू किया जा रहा है।

*****